FLN की प्रगति में गतिविधि एवं TLM का उपयोग

लेखक: तरुण यादव, मध्य विद्यालय सहायक शिक्षक, पूर्णिया, बिहार

नमस्कार! मैं तरुण यादव, बिहार के पूर्णिया जिले के बायसी प्रखंड के मध्य विद्यालय हिजला में शिक्षक हूँ। बीते दो दशकों में मैंने संकुल समन्वयक, साधनसेवी, और जिला तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न भूमिकाएँ निभाई हैं। वर्ष 2018 में LLF के प्रारंभिक भाषा शिक्षण कोर्स में प्रतिभाग करने के बाद से मेरी प्रशिक्षण और शिक्षण तकनीक में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

FLN की दिशा में जब हमने कक्षा में गतिविधियों और टीएलएम (Teaching Learning Materials) के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया, तो शिक्षण बाल-केंद्रित, संवादात्मक और आनंददायी बन गया। इससे बच्चों की सीखने की गति तेज हुई और शिक्षक का आत्मविश्वास भी बढ़ा।

NEP 2020 और निपुण भारत मिशन के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए हमने महसूस किया कि जब शिक्षण मूर्त अनुभवों से जुड़ता है और बच्चे स्वयं गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो अधिगम गहरा और स्थायी होता है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमने ज़िले में कई रणनीतियाँ अपनाई:

- LLF द्वारा प्रशिक्षित CRCCs और शिक्षकों की पहचान कर एक सोशल मीडिया समूह बनाया
- विभाग व यूनिसेफ के सहयोग से TLM निर्माण कार्यशालाएँ आयोजित कीं
- FLN किट और अन्य सामग्रियों के उपयोग हेतु वीडियो बनाए और साझा किए
- स्थानीय भाषा में गतिविधियों को बढ़ावा दिया और प्रेरणादायक शिक्षकों को सम्मानित भी किया
- लगातार अनुश्रवण और ऑन-स्पॉट मार्गदर्शन की व्यवस्था की गई

इन प्रयासों का परिणाम सकारात्मक रहा—अब शिक्षक न केवल दिए गए TLM का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि अपनी कल्पना से नई गतिविधियाँ भी बना रहे हैं। बच्चों की सीखने में तेजी आई है, और विद्यालयों में उपस्थिति बढ़ी है।

मेरा सुझाव है कि **अन्य जिलों और राज्यों में भी गतिविधि और TLM आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाएँ, वीडियो संसाधन और निरंतर अनुसमर्थन की व्यवस्था की जाए। इससे शिक्षा अधिक सार्थक और बच्चों के लिए रोचक बन सकेगी।**

लेखक परिचय:

तरुण यादव बिहार के पूर्णिया जिले के बायसी प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय हिजला में शिक्षक हैं। बीते दो दशकों से शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उन्होंने संकुल समन्वयक, साधनसेवी और जिला तकनीकी समिति के सदस्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्व निभाए हैं। वर्ष 2018 में LLF के प्रारंभिक भाषा शिक्षण कोर्स में भाग लेने के बाद उनकी प्रशिक्षण और शिक्षण पद्धति में सकारात्मक परिवर्तन आया है। तरुण यादव 'FLN संवाद' शृंखला के एपिसोड 2 में वक्ता के रूप में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने टीएलएम और गतिविधियों के प्रभावी उपयोग पर अपने अनुभव साझा किए।